

संस्कारणांग शाराम  
प्रियोजन, विकास, ...  
रांख्या-२६ / २०१००५०/२००४  
देउरावृत्त: दिनांक: २१ पारवरी, २००४

ବ୍ୟାକାଲୀନ—ଶାପ

दीरा रुओं कार्यक्रम को प्रगतिकारी तथा धारावह ढंग से कार्यन्वयन हेतु प्रदेश के प्रत्येक निकारा खण्ड में श्री राज्यपाल गढ़वाल द्वारा निकारा खण्ड रतारीय रामिति के गठन किए जाने की राहर राधीवृत्ति प्रदान करवे हैं। निकारा खण्ड रतारीय रामिति में निम्नलिखित रासायन दीरा।

|    |                                    |            |
|----|------------------------------------|------------|
| १- | रामकृष्ण शोक 'प्रियंका' अवृत्ति    | अच्छदा     |
| २- | रामकृष्णपाठ उप विज्ञापिकारी        | उपाध्याय   |
| ३- | शोकीय रामराद                       | शदरस       |
| ४- | शोकीय विज्ञापक                     | शदरस       |
| ५- | रामकृष्णपाठ शुभ विज्ञापन अविज्ञापन | शदरस शोकीय |

- 2- रामेति की वैहक रौप्य वाट में एक सार वायोजित की जायेगी। अध्यक्ष की अनुपस्थिति में रामविधिपत्रमालिकारी ही वैहक की अध्यदाता करेंगे।  
 3- रामेति के निर्माणिकार कार्य/अधिकार होंगे।

- (1) जिला राजसीय राजपत्रि द्वारा दिये गये निवेशों के अनुसार वीरा रक्तों का वर्गीकरण का नियोजन, पर्याप्तता, निवेशन, राजसीय और उराचन राजपालन का पूर्णांकन।

(2) राजपत्रि रामपूर्ण वीरा रक्तों का वर्गीकरण का विस्तृत रूप से नियांसित गिरि रक्त राजपालन और धारा के अनुसार राजपालन रुक्षनियत करेगा।

(3) राजपत्रि ने दूसी गति के राजक्षय में जांच पद्धताल करने का अधिकार होगा जहाँ उराची जानकारी में बढ़ कर आये हों उसके शोकावधिकार के अधिकार नियमी रूप से निवेशों के अनुसार कार्यान्वयन नहीं किया यथा है। जांच पद्धताल के उपराज्य राजपत्रि अपनी राज्यपत्रि उपराज्य अधिकारी के पारा भेजेगी, जो कानून के अनुसार उसने नि पादन के लिए जिम्मेदार होगा और जो कार्यकार्य के पार्यान्वयन के लिए राज्यपत्रि कार्यवाही करेगा।

(4) वीरा रक्तों पर्याप्तता के राजपालन से राजपत्रियों के निकारा छाप राजसीय अधिकारियों को राजपत्रि ने नियमों में आवश्यकतानुसार आग्रहित करना चाहा राजपत्रियों नियांसित वाग्वेदों को प्राप्त और उनकी जांच करना।

(5) राजपत्रि की नियम तुलने का विषय एवं निकारा अधिकारी का छोगा।

(~~ये अनुसूचित विषय~~)—  
विषय विषय।

राज्या-२८ (१) / २०८०-८१ / २००४ संस्कृति

प्रतिलिपि निवालिखित को राजनीति एवं आवश्यक कार्यपाली ऐसु प्रेषितः—

- १— उपाय्या, राज्य रत्नीय रामिते, गीता रही कार्यकारी, उत्तरांचल।
- २— रागरता जिलो के प्रभारी गंगी, उत्तरांचल शारान।
- ३— उत्तरांचल के रागरता रांराद रादर्य/विधायक।
- ४— अपर गुरु राधिका, उत्तरांचल।
- ५— रागरता प्रमुख राधिका/राधिका, उत्तरांचल शारान।
- ६— राधिका, विधान सभा, उत्तरांचल।
- ७— निदेशक, राज्यना एवं जनरांपक विभाग, उत्तरांचल, देहरादून।
- ८— रागरता अगुणाग विधिकारी, उत्तरांचल, शारान।
- ९— रागरता गण्डलायुला/जिलोविधिकारी, उत्तरांचल।
- १०— रागरता गुरु निकारा अधिकारी उत्तरांचल।
- ११— रागरता अर्ण एवं राज्याधिकारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- १२— गाढ़ फाइल।

गोप्या रो  
२  
(प्रारंभ रिमाई)  
राधिका नियोजन।